सूक्ष्म प्रबंध योजना निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 13–15/05/2026

मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में तीन दिवसीय 13/05/2026 से 15/05/2026 तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम दिवस में मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा भा.व.से. के द्वारा उद्घाटन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रायोजक अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सं.व.प्र.) म.प्र. भोपाल है। प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों के द्वारा सूक्ष्म प्रबंध योजना से संबंधित विभिन्न विषयों पर PPT के माध्यम से जानकारी प्रदान की गयी। इसके उपरांत दूसरे दिन दिनांक 14/05/2026 को वन परिक्षेत्र पनागर की ग्राम वन समिति छितरी में सहभागी ग्रामीण समीक्षा (PRA) का अभ्यास विषय विशेषज्ञ श्री चितरंजन त्यागी (सेवानिवृत्त प्र.मु.व.स.), श्री आर. बी. शर्मा (सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक), श्री ओंकार सिंह राणा (सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक), श्री अभिषेक शर्मा और अनुज सक्सेना के मार्गदर्शन में ग्रामीणों के साथ मिलकर नजरी नक्शा, संसाधन चित्रण और समय चित्रण आदि जैसी गतिविधियाँ की गईं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान श्री चितरंजन त्यागी सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने कहा कि वन संरक्षण एवं प्रबंधन में जनभागीदारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है बिगड़े वनो को अच्छे वन क्षेत्रों में परिवर्तित केवल जनसहभागिता के द्वारा किया जा सकता है उन्होंने वन प्रबंधन के लिए लेंड स्केप एप्रोच के उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। माइक्रोप्लान केवल वन विकास का दस्तावेज नहीं, बल्कि ग्राम स्तर पर सामाजिक एवं आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम भी है। उन्होंने वन समितियों के अभिलेख संधारण, पारदर्शिता, वार्षिक ऑडिट तथा ग्राम सहभागिता को सुदृढ़ वन प्रबंधन की आधारशिला बताया। श्री त्यागी ने कहा कि योजनाबद्ध कार्यप्रणाली, नियमित अनुश्रवण एवं स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से वन संरक्षण के साथ–साथ ग्रामीण आजीविका को भी मजबूती मिलती है।

कार्यक्रम के अंतिम दिवस में प्रशिक्षार्थियों ने माइक्रोप्लान तैयार करने की जटिलताओं पर विशेषज्ञों से चर्चा की और अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया। समापन के अवसर पर संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा (भा.व.से) द्वारा इस प्रशिक्षण में (विदिशा, होशंगाबाद, सीहोर, पांढुर्णा, अलीराजपुर, बड़वानी, सतना एवं नीमच) विभिन्न वन मंडलों के वन परिक्षेत्र अधिकारी, वनपाल और वनरक्षक आदि सभी 36 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए और मुख्य अन्वेषक डॉ. प्रतीक्षा चतुर्वेदी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी श्री एस. एस. रघुवंशी, श्री दिनेश कुमार कुलदीप, श्री अजय लविश्कर, सोनल चतुर्वेदी, प्रियंका वर्मा, श्री सत्यम सक्सेना, श्री अनमोल लक्की एक्का, श्री हिमांशु कुशवाहा, श्री अभिषेक सोनी, श्री सिध्दार्थ पगारे एवं डॉ. दीपा प्रधान आदि ने भी उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान किया।

पत्रिका समाचार पत्र
दिनांक 14/05/2026

एसएफआरआई में तीन दिवसीय कार्यशाला

वन प्रबंधन: सूक्ष्म योजना पर वन अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जबलपुर. राज्य वन अनुसंधान संस्थान में बुधवार से तीन दिवसीय सूक्ष्म प्रबंधन योजना प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के विभिन्न वन मंडलों से आए वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वन प्रबंधन के वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई।

संचालक प्रदीप वासुदेवा एवं उप संचालक संदीप फेलोज ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि सूक्ष्म प्रबंधन योजना वन क्षेत्र और ग्राम विकास के लिए एक प्रभावी एवं आवश्यकता आधारित योजना है। इसके माध्यम से वनाश्रित समुदायों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक संसाधनों

के संतुलित उपयोग की कार्ययोजना तैयार की जाती है। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य वन संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित करना, जैव विविधता का संरक्षण करना और जनसहभागिता आधारित वन प्रबंधन को बढ़ावा देना है।

इससे ग्रामीण आजीविका एवं सामाजिक विकास को भी गति मिलती है। विषय विशेषज्ञ आरबी शर्मा, ओंकार सिंह राणा एवं अभिषेक शर्मा ने सूक्ष्म प्रबंधन योजना की अवधारणा, उद्देश्य, निर्माण प्रक्रिया एवं सहभागी ग्रामीण समीक्षा समेत अन्य विषयों की जानकारी दी। प्रभारी डॉ. प्रतीक्षा चतुर्वेदी ने योजना निर्माण की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण में विभिन्न वन परिक्षेत्र अधिकारी, वनपाल और वनरक्षक शामिल हुए।

नई दुनिया समाचार पत्र
दिनांक 14/05/2026

जनसहयोग से जंगल में मंगल संभव

आयोजन ● राज्य वन अनुसंधान संस्थान में तीन दिनी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

एसएफआरआइ में बुधवार को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ पर उपस्थित अधिकारी व अन्य। ● सौ.एसएफआरआइ

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर: वर्तमान में वनों के संरक्षण और सतत उपयोग अत्यंत आवश्यक है, और इसके लिए वनों का विज्ञानी ढंग से प्रबंधन कर सशक्त बनाने के लिए सूक्ष्म प्रबंध योजना का निर्माण किया जाता है। इसी के अंतर्गत बुधवार को राज्य वन अनुसंधान संस्थान में विज्ञानी वन प्रबंधन को सशक्त बनाने के लिए सूक्ष्म प्रबंध निर्माण के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा एवं उपसंचालक संदीप फैलोज के द्वारा किया गया।

इस मौके पर वक्ताओं ने सूक्ष्म प्रबंधन योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सूक्ष्म प्रबंधन योजना वन क्षेत्र एवं ग्राम विकास के लिए एक प्रभावी, आवश्यकता आधारित एवं स्थान-विशिष्ट विकास योजना है। इसके माध्यम से वनाश्रित समुदायों तथा ग्रामीण जनों की आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों के समुचित उपयोग की कार्ययोजना तैयार की जाती है, उन्होंने बताया कि सूक्ष्म प्रबंधन योजना का उद्देश्य वन संसाधनों का सतत एवं संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना, जैव विविधता का संरक्षण करना तथा जनसहभागिता आधारित वन प्रबंधन को प्रोत्साहित करना है।

इस योजना के अंतर्गत ग्राम एवं वन क्षेत्र के समग्र विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों का प्राथमिकता के आधार पर निर्धारण किया जाता है, जिससे वन संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका एव सामाजिक विकास को भी बढ़ावा मिल सकता है।

इस योजना के अंतर्गत ग्राम एवं वन क्षेत्र के समग्र विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों का प्राथमिकता के आधार पर निर्धारण किया जाता है, जिससे वन संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका एवं सामाजिक विकास को भी बढ़ावा मिल सके। इस अवसर पर प्रशिक्षण के लिए भोपाल से पधारे विषय विशेषज्ञ आरबी शर्मा, ओंकार सिंह राणा, अभिषेक शर्मा ने सूक्ष्म प्रबंध योजना की अवधारणा, परिचय, उद्देश्य, निर्माण एवं निर्माण से पूर्व की तैयारी एवं सहभागी ग्रामीण समीक्षा विषयों आदि पर जानकारी दी गयी। संस्थान के वन प्रबंधन प्रभाग की प्रभारी डा प्रतीक्षा चतुर्वेदी मुख्य अन्वेषक के द्वारा भी सूक्ष्म प्रबंध योजना निर्माण की उपयोगिता के बारे में बताया। प्रशिक्षण हेतु वन मंडल विदिशा, नर्मदापुरम, पांढुर्णा, बड़वानी, नीमच, सीहोर, सतना एवं अलीराजपुर से वन परिक्षत्र अधिकारी, वनपाल एवं वनरक्षक प्रशिक्षण में शामिल हो रहे हैं।

इस अवसर पर संस्थान के एसएस रघुवंशी वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, डा. डीके कुलदीप, सोनल चतुर्वेदी, प्रियंका वर्मा, दीपा प्रधान, सत्यम सक्सेना, अनमोल लक्की एक्का, हिमांशु कुशवाहा, अभिषेक सोनी एवं सिद्धार्थ पगारे आदि भी उपस्थित रहे। बताया गया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों की क्षमता संवर्धन कर वन प्रबंधन एवं विकास कार्यों के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करना है।

सूक्ष्म प्रबंध योजना
प्रशिक्षण कार्यक्रम
प्रायोजक
आयोजक
मध्यप्रदेश राज्य वन
अनुसंधान संस्थान, जबलपुर